समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

टीएमसी मे बंढ़ी अंदरूनी कलह : सयानी घोष के बागी होने की चर्चा, ममता बनर्जी के सामने संगठन बचाने की चुनौती

Sanket Morankar Published on 10 Jun 2026

पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर बढ़ती असंतोष की खबरों ने पार्टी नेतृत्व की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हाल ही में राज्यसभा सांसदों के इस्तीफों के बाद अब पार्टी की प्रमुख युवा और फायरब्रांड नेता मानी जाने वाली लोकसभा सांसद सयानी घोष के भी बागी रुख अपनाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, टीएमसी के भीतर असंतुष्ट नेताओं का एक समूह सक्रिय हो गया है, जिसमें कई सांसदों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार सामने आ रही खबरों ने राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है।

सयानी घोष का नाम चर्चा के केंद्र में

जादवपुर लोकसभा सीट से सांसद सयानी घोष को ममता बनर्जी के करीबी नेताओं में गिना जाता रहा है। पार्टी के कई आंदोलनों और चुनावी अभियानों में उन्होंने अग्रिम भूमिका निभाई थी। ऐसे में उनके संभावित असंतोष की खबरों ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दिया है।

सूत्रों का दावा है कि पार्टी के कुछ वरिष्ठ और युवा नेता संगठन की कार्यशैली और नेतृत्व से जुड़े मुद्दों को लेकर नाराज हैं। इसी कारण पार्टी के भीतर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं।

पहले भी लग चुके हैं बड़े झटके

टीएमसी को हाल के दिनों में कई राजनीतिक झटके लग चुके हैं। राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय पहले ही अपने पदों से इस्तीफा दे चुके हैं। इन घटनाओं को पार्टी के भीतर बढ़ती असहमति के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लगातार हो रहे इस्तीफे और असंतोष की खबरें पार्टी नेतृत्व के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर रही हैं।

ममता बनर्जी के सामने बड़ी चुनौती

पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय तक मजबूत पकड़ बनाए रखने वाली ममता बनर्जी के सामने अब संगठन को एकजुट रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। पार्टी के भीतर उठ रहे विरोधी स्वर विपक्ष को भी नया अवसर दे सकते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि असंतोष को समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया, तो इसका असर आगामी राजनीतिक रणनीतियों और संगठनात्मक ढांचे पर पड़ सकता है।

आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार

फिलहाल सयानी घोष या टीएमसी नेतृत्व की ओर से इन चर्चाओं पर कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में राजनीतिक हलकों की निगाहें पार्टी के अगले कदम और संभावित प्रतिक्रियाओं पर टिकी हुई हैं।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि ये खबरें केवल अटकलें हैं या फिर टीएमसी के भीतर वास्तव में किसी बड़े राजनीतिक बदलाव की भूमिका तैयार हो रही है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.